697

SA-01

December - Examination 2017

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) भास रचित किन्हीं चार रूपकों के नाम बताइये।

(ii) वत्स देश की राजधानी का क्या नाम था?

(iii) वासवदत्ता की धाय का नाम बताइये।

(iv) हितोपदेश की रचना किस राजा के पुत्रों को नीतिशास्त्र का ज्ञान कराने हेतु की गई?

(v) वसन्ततिलका छन्द का लक्षण बताइये।

(vi) पञ्चतन्त्र के लेखक का नाम बताइये।

(vii) उदयन के मन्त्री का नाम बताइये।

(viii) पद्मावती उदयन की रानी बनेगी यह घोषणा किन ज्योतिषियों ने की थी?

(ix) उत्प्रेक्षा अलंकार का लक्षण बताइये।

(x) अनुष्टुप छन्द के प्रत्येक चरण में कितने अक्षर होते हैं?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) दुःखं व्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः
स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।
यात्रात्वेषा यद् विमुच्येहवाष्पं
प्राप्तानृण्या याति बुद्धि प्रसादम्।।

(ii) अहमवजितः पूर्वं तावत् सुतैः सह लालितो।
दृढमपहृता कन्या भूयो मया न च रक्षिता।
निधनमपिच श्रृत्वा तस्यास्तथैव मयिस्वता।
ननु यदुचितान् वत्सान् प्राप्तुं नृपोऽत्र हि कारणम्।

3) पद्मावती की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

4) दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –
   (i) तथा परिश्रमः परिखेदं नोत्पादयति यथायं परिश्रमः।
   (ii) आगमप्रधानानि सुलभपर्यवस्थानानि महापुरुषहृदयानि भवन्ति।
   (iii) अज्ञातवासोऽपि बहुगुणः सम्पद्यते।
   (iv) साक्षिमन्न्यासो निर्यातयितव्यः

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।
   (i) शालिनी
   (ii) उपेन्द्रवज्रा

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाम का अर्थ बताते हुए नाटक के कथानक का सारांश लिखिए।

7) संस्कृत नीति कथा साहित्य की विशेषताएँ बताइये।

8) हितोपदेश का परिचय देते हुए उसके महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइये।
   (i) रूपक
   (ii) श्लेष
   (iii) दृष्टान्त
   (iv) अतिशयोक्ति

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) अनेक संशयोच्छेदि परोक्षार्थकस्य दर्शकम्।
सर्वस्य लोचनं शास्त्रं यस्य नास्त्यन्ध एव सः।।

(ii) मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषू लोष्टवत्।
आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यत स पण्डितः।।

(iii) शरीरस्य गुणानाञ्च दूरमत्यन्तमन्तरम्।
शरीरं क्षणविध्वंसि कल्पान्तस्थायिनो गुणाः।।

(iv) अचिन्तितानि दुःखानि यथैवा यान्ति देहिनाम्।
सुखान्यपि तथा मन्ये दैवमत्रातिरिच्यते।।

11) नाटक के रूप में 'स्वप्नवासवदत्तम्' की समीक्षा कीजिए।

12) संस्कृतनाट्य साहित्य में भास का स्थान निर्धारित करें।

13) चित्रांग मृग, सुबुद्धि कौवे व सियार की कथा तथा कर्पूरतिलक हाथी तथा सियार की कथा का सारांश लिखकर इन कथाओं से मिलने वाली शिक्षा भी बताइये।